कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष : 15 अंक : 86 कानपुर, सोमवार 25 सितम्बर 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य : 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से होगा आर्थिक लाभ : डॉ खलील

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने फसल अवशेषों को न जलाने जलाएं,बल्कि बनाये खादफ नामक किसानों हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों में आग लगाने से वातावरण में हानिकारक गैसों की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे मानव एवं पशु-पक्षियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही सूचहम जीवो की भी मृत्यु हो जाती है। जो मिट्टी की उपजाऊ शक्ति एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों के जलाने से फास्फोरस और पोटाश जैसे पोशाक तत्व अघुलनशील अवस्था में हो जाते हैं। जिससे मृदा का पीएच मान बढ़ जाता है। और उसकी उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है इसके अतिरिक्त पशुओं के लिए चारे की कमी हो जाती है। डॉक्टर खान ने बताया कि कृषि अवशेष एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है जो मिट्टी के स्वास्थ्य और संरचना के लिए बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने किसानों को बताया कि धान के

पुआल को मृदा में मिलाने से 0.36व नाइट्रोजन, 0.10व फॉस्फोरस, 1.70व पोटाश,जबकि मक्का के फसल अवशेष में 0.47वनाइट्रोजन,0.50व फॉस्फोरस एवं 1.65व पोटाश मिट्टी को प्राप्त हो जाता है। जिससे मृदा उपजाऊ हो जाती है और किसान भाइयों को आर्थिक लाभ होता है। डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेषों को मृदा में मिलाने से उनकी संरचना में सुधार, पर्यावरण सुधार, मृदा क्षरण व पोषक तत्वों की अधिकता, जल क्षमता में वृद्धि तथा आर्थिक लाभ में वृद्धि होती है।उन्होंने किसान भाइयों से फसल अवशेष न जलाने के लिए अपील की है।

वर्ष-17 अंक-264 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए कानपुर, सोमवार 25 सितम्बर 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी, ऐटा, हरदोई, उन्नाव, कानपुर देहात में प्रसारित

दैनिक नगर छाया

RNI N.UPHIN/2007/27090

आप की आवाज़.....

सीएसए में राष्ट्रीय सेवा दिवस धूमधाम से मनाया गया

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस प्रसार निदेशालय के कृषिक सभागार में मनाया गया।इस अवसर पर छात्र - छात्राओं ने अपनी भावनाओं को कविता, गीत, व्यक्तव्य, वाद-विवाद ,नृत्य और गजल के माध्यम से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विश्विद्यालय के यशस्वी कुलपति डा आनंद कुमार सिंह ने सभागार में मौजूद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को राष्ट्रहित एवं छात्र हित के लिए सजग एवं निष्ठावान होकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा सी.एल. मौर्य ने राष्ट्रीय स्वयं सेवकों का उत्साह वर्धन किया। तथा अंतराष्ट्रीय बेटी दिवस पर सभी बेटियों को बधाई भी दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने छात्र छात्राओं को स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए मन, वचन और कर्म की एकरूपता रखने की प्रेरणा दी।इस अवसर पर नारी सशक्तिकरण, जी 20, आध्यात्मिकता, जन कल्याण आदि बिंदुओं पर रोशनी डालते हुए विभिन्न प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पी. के. उपाध्याय ने भी छात्रों की हौसलाफजई के साथ धन्यवाद ज्ञापन दिया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉ मुक्ता गर्ग, डॉ कौशल कुमार, डॉ देवेंद्र सिंह, डॉ सर्वेश कुमार ने अपनी उपस्थिति द्वारा छात्रों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में अभिषेक दिवेदी, वैष्णवी गुप्ता, कोमल सिंह, विधि सिंह, अलैशेका, रिशु, श्वेता, देव, अमन, दिलीप का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

63 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, सोमवार, 25 सितम्बर, 2023 पृष्ठ : 8 मूल्य

सीएसए में राष्ट्रीय सेवा दिवस धूमधाम से मनाया गया

(रहस्य संदेश) कानपुर में आज राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस प्रसार निदेशालय के कृषिक सभागार में मनाया गया।इस अवसर पर छात्र – छात्राओं ने अपनी भावनाओं को कविता, गीत, व्यक्तव्य, वाददृविवाद ,नृत्य और गजल के माध्यम से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विश्विद्यालय के यशस्वी कुलपति डा आनंद कुमार सिंह ने सभागार में मौजूद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को राष्ट्रहित एवं छात्र हित के लिए सजग एवं निष्ठावान होकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा सी.एल. मौर्य ने राष्ट्रीय स्वयं सेवकों का उत्साह वर्धन किया। तथा अंतराष्ट्रीय बेटी दिवस पर सभी बेटियों को बधाई भी दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने छात्र छात्राओं को स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए मन, वचन और कर्म की एकरूपता रखने की प्रेरणा दी।इस अवसर पर नारी सशक्तिकरण, जी २०, आध्यात्मिकता, जन कल्याण आदि बिंदुओं पर रोशनी डालते हुए विभिन्न प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पी. के. उपाध्याय ने भी छात्रों की हौसलाफजई के साथ धन्यवाद ज्ञापन दिया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉ मुक्ता गर्ग, डॉ कौशल कुमार, डॉ देवेंद्र सिंह, डॉ सर्वेश कुमार ने अपनी उपस्थिति द्वारा छात्रों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में अभिषेक दिवेदी, वैष्णवी गुप्ता, कोमल सिंह, विधि सिंह, अलैशेका, रिशु, श्वेता, देव, अमन, दिलीप का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दैनिक जागरण कानपुर 25/09/2023

सीएसए कुलपति ने राष्ट्रहित की याद दिलाई

कानपुर : चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में रविवार को राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस का आयोजन प्रसार निदेशालय के कृषक सभागार में किया गया। कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने छात्र-छात्राओं को राष्ट्रहित में काम करने की प्रेरणा दी। कहा कि राष्ट्र की सेवा हमारा धर्म है। छात्र-छात्राओं गीत, व्यक्तव्य, वाद-विवाद ,नृत्य प्रस्तुत किया। डा. अर्चना सिंह, कुलसचिव डा. पीके उपाध्याय मौजूद रहे। वि.

फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से होगा आर्थिक लाभ

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 24 सितम्बर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने फसल अवशेषों को न जलाने जलाएं,बल्कि बनाये खाद नामक किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों में आग लगाने से वातावरण में हानिकारक गैसों की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे मानव एवं पशु-पक्षियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही सूचहम जीवो की भी मृत्यु हो जाती है। जो मिट्टी की उपजाऊ शक्ति एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों के जलाने से फास्फोरस और पोटाश जैसे पोशाक तत्व अघुलनशील अवस्था में हो जाते हैं। जिससे मृदा का पीएच मान बढ़ जाता है। और उसकी उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है।इसके अतिरिक्त पशुओं के लिए चारे की कमी हो जाती है। डा. खान ने बताया कि कृषि अवशेष एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है जो मिट्टी के स्वास्थ्य और संरचना के लिए बहुत ही आवश्यक है।

SKS NEWS

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 23 कानपुर, सोमवार 25 सितंबर-2023 पृष्ठ -8

फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से होगा आर्थिक लाभ : डॉ खलील

नगर प्रतिनिधि

कानपुर । सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने फसल अवशेषों को न जलाने

जलाएं,बल्कि बनाये खाद नामक किसानों हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों में आग लगाने से वातावरण में हानिकारक गैसों की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे मानव एवं पशु-पक्षियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही सूचहम जीवो की भी मृत्यु हो जाती है। जो मिट्टी की उपजाऊ शक्ति एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों के जलाने से फास्फोरस और पोटाश जैसे पोशाक तत्व अघुलनशील अवस्था में हो जाते हैं। जिससे मृदा का पीएच मान बढ़ जाता है। और उसकी उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है इसके अतिरिक्त पशुओं के लिए चारे की कमी हो जाती है। डॉक्टर खान ने बताया कि कृषि अवशेष एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है जो मिट्टी के स्वास्थ्य और संरचना के लिए बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने किसानों को बताया कि धान के पुआल को मृदा में मिलाने से 0.36ब्र नाइट्रोजन, 0.10ब्र फॉस्फोरस, 1.70ब्र पोटाश, जबकि मक्का के फसल अवशेष में 0.47ब्र नाइट्रोजन, 0.50ब्र फॉस्फोरस एवं 1.65ब्र पोटाश मिट्टी को प्राप्त हो जाता है। जिससे मृदा उपजाऊ हो जाती है और किसान भाइयों को आर्थिक लाभ होता है। डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेषों को मृदा में मिलाने से उनकी संरचना में सुधार, पर्यावरण सुधार, मृदा क्षरण व पोषक तत्वों की अधिकता, जल क्षमता में वृद्धि तथा आर्थिक लाभ में वृद्धि होती है।उन्होंने किसान भाइयों से फसल अवशेष न जलाने के लिए अपील की है।

समाज का साथी
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शाहनाज परवीन मुस्तफाई प्रेस 96/72 केनालगंज, कानपुर से मुद्रित तथा 14/80, सिविल लाइन, कानपुर से प्रकाशित
सम्पादक मो0 वहीद 7571088215
विधि सलाहकार धीरज कुमार वर्मा -एडवोकेट मो0:- 8960772900
चीफ एडिटर- मो0 अली मोबाइल नं0-7571088215
उप संपादक -दानिश अली मोबाइल नं0-8299005726
सिटी इंचार्ज-मो0 सुफियान मोबाइल नं0-9026849483
लेखों के लिए समाचार पत्र उत्तरदायी नहीं है। समस्त विवाद प्रकाशन के 30 दिनों के अंदर कानपुर न्यायालय में मान्य होंगे।

अंक-198 कानपुर, सोमवार 25 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

र से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

सीएसए में राष्ट्रीय सेवा दिवस धूमधाम से मनाया

आज का कानपुर

कानपुर । चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में आज राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस प्रसार निदेशालय के कृषिक सभागार में मनाया गया इस अवसर पर छात्र – छात्राओं ने अपनी भावनाओं को कविता, गीत, व्यक्तव्य, वादङ्कविवाद ,नृत्य और गजल के माध्यम से प्रस्तुत किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विश्विद्यालय के यशस्वी कुलपति डा आनंद कुमार सिंह ने सभागार में मौजूद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को राष्ट्रहित एवं छात्र हित के लिए सजग एवं निष्ठावान होकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा सी.एल. मौर्य ने राष्ट्रीय स्वयं सेवकों का उत्साह वर्धन किया। तथा अंतराष्ट्रीय बेटी दिवस पर सभी बेटियों को बधाई भी दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने छात्र छात्राओं को स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए मन, वचन और कर्म की एकरूपता रखने की प्रेरणा दी इस अवसर पर नारी सशक्तिकरण, जी 20, आध्यात्मिकता, जन कल्याण आदि बिंदुओं पर रोशनी डालते हुए विभिन्न प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पी. के. उपाध्याय ने भी छात्रों की हौसलाफजई के साथ धन्यवाद ज्ञापन दिया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉ मुक्ता गर्ग, डॉ कौशल कुमार, डॉ देवेंद्र सिंह, डॉ सर्वेश कुमार ने अपनी उपस्थिति द्वारा छात्रों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में अभिषेक दिवेदी, वैष्णवी गुप्ता, कोमल सिंह, विधि सिंह, अलैशेका, रिशु, श्वेता, देव, अमन, दिलीप का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

अंक-198 कानपुर, सोमवार 25 सितम्बर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक

आज का कानपुर

र से प्रकाशित लखनऊ, उन्नाव, सीतापुर, लखीमपुर खीरी, हमीरपुर, मौहदा, बादा, फतेहपुर, प्रयागराज, इटावा, कन्नौज, गाजीपुर, कानपुर देहात, सुल्तानपुर, अमेठी, बहराइच में प्रसारित

फसल अवशेषों को मिट्टी में मिलाने से होगा आर्थिक लाभ-डॉक्टर खलील खान

आज का कानपुर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने फसल अवशेषों को न जलाने जलाएं,बल्कि बनाये खाद नामक किसानों हेतु एडवाइजरी जारी की है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों में आग लगाने से वातावरण में हानिकारक गैसों की मात्रा बढ़ जाती है। जिससे मानव एवं पशु-पक्षियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। साथ ही सूचहम जीवो की भी मृत्यु हो जाती है। जो मिट्टी की उपजाऊ शक्ति एवं रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि फसल अवशेषों के जलाने से फास्फोरस और पोटाश जैसे पोशाक तत्व अघुलनशील अवस्था में हो जाते हैं। जिससे मृदा का पीएच मान बढ़ जाता है। और उसकी उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है।इसके अतिरिक्त पशुओं के लिए चारे की कमी हो जाती है। डॉक्टर खान ने बताया कि कृषि अवशेष एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है जो मिट्टी के स्वास्थ्य और संरचना के लिए बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने किसानों को बताया कि धान के पुआल को मृदा में मिलाने से 0.36ब्र नाइट्रोजन, 0.10ब्र फॉस्फोरस, 1.70ब्र पोटाश, जबकि मक्का के फसल अवशेष में 0.47 प्रतिशत नाइट्रोजन, 0.50ब्र फॉस्फोरस एवं 1.65ब्र पोटाश मिट्टी को प्राप्त हो जाता है। जिससे मृदा उपजाऊ हो

जाती है और किसान भाइयों को आर्थिक लाभ होता है। डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेषों को मृदा में मिलाने से उनकी संरचना में सुधार, पर्यावरण सुधार, मृदा क्षरण व पोषक तत्वों की अधिकता, जल क्षमता में वृद्धि तथा आर्थिक लाभ में वृद्धि होती है।उन्होंने किसान भाइयों से फसल अवशेष न जलाने के लिए अपील की है।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • सोमवार • 25 सितम्बर • 2023

फसल अवशेषों को जलाने से भूमि की उर्वरा शक्ति हो जाती कम

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ. खलील खान ने फसल अवशेषों को जलाने के संबंध में आगाह करते हुए किसानों को बताया कि खेतिहर जमीन पर फसल जलाने से उसकी उपजाऊ शक्ति घट जाती है। इसके पीछे मृदा विज्ञान संबंधी जानकारी भी उन्होंने किसानों से साझा की। उन्होंने किसानों को एडवाइजरी जारी करते हुए फसल अवशेष का उपयोग खाद बनाने में करने की अपील भी की है।

मृदा वैज्ञानिक ने किसानों के लिये जारी की एडवाइजरी

उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों में आग लगाने से वातावरण में हानिकारक गैसों की मात्रा बढ़ जाती है। साथ ही जमीन पर सूक्ष्म जीवों की भी मृत्यु हो जाती है। जो मिट्टी की उपजाऊ शक्ति व रोग प्रतिरोधक क्षमता बनाए रखने के लिए आवश्यक है। उन्होंने बताया कि फसल अवशेषों के जलाने से फास्फोरस और पोटाश जैसे पोषक तत्व अघुलनशील अवस्था में हो जाते हैं। जिससे मृदा का पोषण मान कम हो जाता है और उसकी उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती है। डॉक्टर खान ने बताया कि कृषि अवशेष एक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधन है जो मिट्टी के स्वास्थ्य और संरचना के लिए बहुत ही आवश्यक है। उन्होंने किसानों को बताया कि धान के पुआल को मृदा में मिलाने से 0.36 प्रतिशत नाइट्रोजन, 0.10 प्रतिशत फॉस्फोरस, 1.70 प्रतिशत पोटाश जबकि मक्का के फसल अवशेषों से 0.47 प्रतिशत नाइट्रोजन, 0.50 प्रतिशत फॉस्फोरस व 1.65 प्रतिशत पोटाश मिट्टी को प्राप्त हो जाता है। जिससे मृदा उपजाऊ हो जाती है और किसान भाइयों को आर्थिक लाभ होता है। डॉ. खान ने बताया कि फसल अवशेषों को मृदा में मिलाने से उसकी संरचना में सुधार, पर्यावरण सुधार, मृदा क्षरण व पोषक तत्वों की अधिकता से आर्थिक लाभ में वृद्धि होती है। उन्होंने किसानों से फसल अवशेष न जलाने के लिए अपील की है।

Title-code: UPHIN-48963

E-mail: jksingh.hardoi@gmail.com

सत्य का असर

समाचार पत्र

25,09,2023 jksingh.hardoi@gmail.com मोबाइल नंबर 9956834016

Top News

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा दिवस धूमधाम से मनाया गया

पत्रकार जितेंद्र सिंह पटेल

कानपुर चन्द्र शेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर में आज राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस प्रसार निदेशालय के कृषिक सभागार में मनाया गया।इस अवसर पर छात्र - छात्राओं ने अपनी भावनाओं को कविता, गीत, व्यक्तव्य, वाद–विवाद ,नृत्य और गजल के माध्यम से प्रस्तुत किया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विश्विद्यालय के यशस्वी कुलपति डा आनंद कुमार सिंह ने सभागार में मौजूद राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों को राष्ट्रहित एवं छात्र हित के लिए सजग एवं निष्ठावान होकर कार्य करने हेतु प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा सी.एल. मौर्य ने राष्ट्रीय स्वयं सेवकों का उत्साह वर्धन किया। तथा अंतराष्ट्रीय बेटी दिवस पर सभी बेटियों को बधाई भी दी। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम समन्वयक डॉ अर्चना सिंह ने छात्र छात्राओं को स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन से प्रेरणा लेते हुए मन, वचन और कर्म की एकरूपता रखने की प्रेरणा दी।इस अवसर पर नारी सशक्तिकरण, जी २०, आध्यात्मिकता, जन कल्याण आदि बिंदुओं पर रोशनी डालते हुए विभिन्न प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ पी. के. उपाध्याय ने भी छात्रों की हौसलाफजई के साथ धन्यवाद ज्ञापन दिया । इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता ग्रह विज्ञान डॉ मुक्ता गर्ग, डॉ कौशल कुमार, डॉ देवेंद्र सिंह, डॉ सर्वेश कुमार ने अपनी उपस्थिति द्वारा छात्रों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजन में अभिषेक दिवेदी, वैष्णवी गुप्ता, कोमल सिंह, विधि सिंह, अलैशेका, रिशु, श्वेता, देव, अमन, दिलीप का महत्वपूर्ण योगदान रहा।